an>

title: Need to undertake fresh census of people belonging to Other Backward Classes.

श्री नाना पटोले (भंडारा-गोंदिया) ः पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) प्रवर्ग के लिए आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक अधिकारों के वास्ते मुद्दा सरकार के सामने समय-समय पर आता रहा है। ओ.बी.सी. समाज में वर्ष 1993 से खुशी की लहर आई थी जोकि कुछ समय बाद ही नदारद हो गई है। ओ.बी.सी. समाज के छात्रों को छात्रवृत्ति व आरक्षण से वंचित रख कर शैक्षणिक नुकसान के चलते विद्यार्थियों का भविष्य खराब हो रहा है। हाल ही में जे.डी. इंजीनियरिंग कॉलेज, कलमेश्वर, नागपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र लोकेश विजय येरणे का कॉलेज प्रशासन द्वारा प्रताड़ित किया गया, क्योंकि यह ओ.बी.सी. समाज का छात्र फीस चुकाने में असमर्थ था। इसके फलस्वरूप ओ.बी.सी. छात्र को दिनांक 20.02.2016 को आत्महत्या करनी पड़ी। ओ.बी.सी. समाज, ग्रामीण, अति पिछड़े दुर्गम क्षेत्रों में वित्तीय संकट व शैक्षणिक संकट का सामना कर रहा है। इस ओ.बी.सी. समाज को संवैधानिक अधिकार प्राप्त कराने के वास्ते व इस समाज की जनगणना कराने के वास्ते केंद्र सरकार शीघ्र से शीघ्र कार्यवाही की आवश्यकता हेतु मैं दोबारा सरकार से आग्रह करता हूँ।